खेत में अवैध शराब बनाने का कारखाना पकड़ा, बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त

अवैध शराब का कारखाना चलाने वाले लोग मौके से फरार हो गये

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ जिले के डग क्षेत्र में पुलिस ने अवैध रूप से देसी शराब बनाने का एक कारखाना पकड़ा है। कारखाने से बड़ी तादाद में अवैध शराब बनाने की सामग्री जब्त की गई है। अवैध रूप से शराब बनाये जाने का यह कारखाना फतेह सिंह नामक व्यक्ति के खेत में संचालित किया जा रहा था, जहां दबिश देकर पुलिस ने भारी तादाद में अवैध शराब से संबंधित माल भी पकड़ा है।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि पुलिस थाना उन्हैल व डग द्वारा अवैध देशी शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुये लुहारिया के माल में फतेसिंह पुत्र बालू सिंह सोंधिया राजपूत निवासी लुहारिया के खेत पर मकान में चल रहे अवैध देशी शराब का कारखाना पकड़ा है। कारखाने पर छापेमारी की कार्यवाही के दौरान अवैध देशी शराब बनाने की सामग्री, 500 लीटर स्प्रीट, केमिकल के दो ड्रम, 6000 खाली पव्वे, 6000 पव्वों के ढक्कन, एक पव्वा पैक करने की मशीन, 3000 स्टीकर, ग्लोबल नींबू स्पेशल देशी शराब के 800 लैबल, 30 पानी के कैम्पर, एक यूरिया उर्वरक से भरा प्लास्टिक का कट्टा, 1870 कार्टूनस् बनाने के गत्ते, एक मोहर ग्लोबल स्प्रीट लिमिटेड बहरोड तथा एक विद्युत जनरेटर जब्त किया। अवैध शराब का कारखाना चलाने वाले लोग मौके से फरार होने में कामयाब रहे। पुलिस द्वारा कारखाने का संचालन करने वाले तस्करों की भी तलाश की जा रही है तथा कारखाने में मिली समस्त सामग्री को जप्त कर लिया गया है।

झालावाड़ के डग कस्बे में पुलिस ने अवैध शराब के कारखाने पर कार्रवाई की।

- कारखाने का संचालन करने वाले तस्करों की पुलिस तलाश कर रही है

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार : -डूंगरपुर के कोतवाली थाना पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए नवाडेरा-साबेला बायपास पर एक बाइक सवार युवक से 1.25 लाख रुपए की ब्राउन शुगर जब्त की है। आरोपी प्रतापगढ़ से ब्राउन शुगर लाकर डूंगरपुर में युवाओं को बेचता था।

सीआई शैलेंद्रसिंह ने बताया कि बस स्टैंड चौकी इंचार्ज लक्ष्मणसिंह को सूचना मिली थी कि एक युवक ब्राउन शुगर लेकर जा रहा है। इस सूचना पर टीम ने नवाडेरा साबेला रोड पर नाकेबंदी की। इस दौरान एक बाइक सवार को आते देखकर रोका गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम लालपुरा में जामा मस्जिद के पास का निवासी साजिद शोरगर पुत्र मोहम्मद सलीम बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से पुडिया में 8.24 ग्राम ब्राउन शुगर मिली। इसकी बाजार में कीमत करीब 1.25 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी साजिद को गिरफ्तार कर लिया है।

पालिका क्षेत्र का कचरा फतेहपुरा खुर्द में डालने का विरोध

पावटा, (निसं)। नगर पालिका पावटा प्रागपुरा क्षेत्र में कचरा निस्तारण की व्यवस्था बड़ी ही अव्यवस्थित है। नगर पालिका द्वारा डंपिंग यार्ड की व्यवस्था नहीं होने से क्षेत्र का कचरा नदी बहाव क्षेत्र में खुले में ही फेंका जाता है, लेकिन क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण खार नदी में पानी आने से नदी में पानी का बहाव होने के कारण गुरुवार सुबह नगर पालिका प्रशासन कचरे को फेंकने के लिए ऑटो टीपर लेकर फतेहपुरा खुर्द की नदी पहुंचे। वहां पहुंचते ही ग्रामीणों ने कचरा डालने गए ऑटो टीपरों को रोक दिया व विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।

- ग्रामीणों के विरोध पर कचरे से भरे ऑटो टीपर वापस लौटे
- पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र का कचरा नदी बहाव क्षेत्र में डाला जाता है
- बारिश में खार नदी में पानी आने से कचरा डालने की समस्या उत्पन्न हुई

जीएसएस अध्यक्ष बजरंग लाल यादव, बनवारी हवलदार, रामकरण यादव, बीरबल यादव, श्रीराम यादव, बाबूलाल यादव, कैलाश यादव और देवानंद यादव ने बताया कि नदी के पास गोवंश खुले में घूमते हैं, इसलिए वहां कचरा डालना उनकी जान-माल के लिए खतरा पैदा कर सकता है। उन्होंने बताया कि फतेहपुरा खुर्द में सैकड़ों निराश्रित गौवंश विचरण करते हैं और कचरा डालने से वे बीमार हो सकते हैं। इसके अलावा, कचरे के ढेर से होने वाली दुर्गंध से बीमारियां फैलने का खतरा भी है। बनवारी हवलदार, रामकरण हवलदार, बीरबल यादव, श्रीराम यादव, बाबूलाल बिछवाल, कैलाश हवलदार, देवानंद यादव आदि ने विरोध प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कचरा डालने आई गाड़ियों को रोककर उन्हें वापस लौटा दिया। लोगों ने नगरपालिका प्रशासन से कचरा निस्तारण के लिए उचित डंपिंग यार्ड निर्माण की मांग की है, जिससे लोगों की समस्या का समाधान हो।

कचरे से भरे ऑटो टीपर फतेहपुरा खुर्द की नदी में पहुंचे, लेकिन ग्रामीणों ने टीपरों को रोक दिया।

पांच हजार का इनामी तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की आसींद थाना पुलिस और सायबर टीम ने गंगापुर थाने के पांच हजार के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया है। इस दौरान भगाने के प्रयास में छत से कूदने पर तस्कर घायल भी हो गया। आरोपी का पुलिस ने मेडिकल मुआयना करवाया।

जानकारी के अनुसार जिले की आसीन्द थाना पुलिस ने गंगापुर थाने के एन.डी.पी.एस. एक्ट प्रकरण में डेढ़ साल से फरार पांच हजार रूपये के इनामी तस्कर भीमगढ़ जिला चित्तौडगढ़ निवासी आरोपी मदनलाल को गिरफ्तार किया। आरोपी गुजरात, राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर पहचान छिपाकर फरारी काट रहा था।

आरोपी को साइबर सेल और आसींद पुलिस ने उसके मकान का घेरा डाला कर पकड़ा तो स्वयं के मकान की छत से कूद कर लोहे के चद्दरों से होते हुए भागने का प्रयास किया। इस दौरान लोहे के चद्दरों से नीचे कूदने पर दांये पैर में आरोपी के चोट लगी, जिसको डिटेन कर मेडिकल मुआयना करवाया गया।

महिला बनकर करते थे ठगी, पुलिस ने आरोपियों की महिला की ड्रेस में परेड करवाई

मेड़ता सिटी, (निसं)। दो लाख की ठगी करने वाले तीन शातिर ठगों का एक अलग ही चेहरा सामने आया है। आरोपी महिलाओं के भेष में लोगों को झांसा देकर ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया और महिलाओं की ड्रेस पहनाकर पूरे शहर में उनकी पैदल परेड करवाई।

- लॉटरी लगने का झांसा देकर लोगों से लाखों की ठगी करते और फिर फरार हो जाते थे

मेड़ता थानाधिकारी धर्मेश दायमा ने बताया कि महिला के कपड़े पहनकर लोगों को अपना निशाना बनाते फिर उनसे ठगी करते थे। ठगी करने के मामले में दो लाख की ठगी की, जिसमें तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनको महिला की ड्रेस पहनाकर परेड कराई गई, जिसमें आरोपी गिरफ्तार आरोपियों में अनिल कोठवानी पुत्र रूपचंद कोठवानी, पूरणमल पुत्र सुरतमल सिंधी, कुलभूषण पुत्र सुदेश कुमार पंजाबी को गिरफ्तार किया।

पुलिस उप अधीक्षक रामकरण सिंह मलिंडा ने बताया कि ये तीनों आरोपी महिला वेशभूषा में वारदात को अंजाम देते थे। लॉटरी लगने का झांसा देकर लोगों से लाखों की ठगी करते और फिर फरार हो जाते थे। इसी तरह 21 जुलाई को मेड़ता सिटी के कृषि मंडी रोड पर एक व्यक्ति से 2 लाख की ठगी की गई थी। डीएसपी मलिंडा ने बताया कि ठगी की वारदात के बाद पुलिस ने लगातार निगरानी रखी और तकनीकी सहायता व मुखबिरी के आधार पर तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने कई और वारदातें स्वीकार की है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान थानाधिकारी धर्मेश दायमा सहित मेड़ता सिटी पुलिस टीम भी मौजूद रही।

मेड़ता पुलिस ने तीन शातिर ठगों को महिलाओं की ड्रेस पहनाकर शहर में पैदल परेड करवाई।

दुष्कर्म मामले में आरोपी को 20 वर्ष का कारावास

राजसमंद, (निसं)। राजसमंद की विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट की न्यायाधीश पूर्णिमा गौड ने शुक्रवार को एक अहम फैसले में 17 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी श्रावणलाल गुर्जर को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अभियुक्त पर 31 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। विशेष लोक अभियोजक राजेश पालीवाल ने बताया कि 1 दिसंबर 2023 को पीड़िता ने देवगढ़ पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि अभियुक्त श्रवणलाल पुत्र गेहरीलाल गुर्जर ने पीड़िता को डरा-धमकाकर उसके साथ बलात्कार किया। देवगढ पुलिस थाना के उपनिरीक्षक कमलेंद्र सिंह ने त्वरित और सजगता दिखाते हुए इस मामले में आरोप पत्र न्यायालय में पेश किया। पीड़िता और सरकार की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक राजेश पालीवाल ने प्रभावी पैरवी करते हुए कुल 19 गवाहों के बयान और 49 दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। पीड़िता ने न्यायालय में दिए अपने बयान में स्पष्ट रूप से बताया कि अभियुक्त श्रवणलाल ने उसे डरा-धमकाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया था। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद विशिष्ट न्यायाधीश पूर्णिमा गौड ने अभियुक्त श्रवणलाल को भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो एक्ट के विभिन्न प्रावधानों के तहत दोषी मानते हुए यह कठोर सजा सुनाई।

मसूदा पोस्ट ऑफिस में छत का प्लास्टर गिरा

मसूदा, (निसं)। मसूदा स्थित पोस्ट ऑफिस में छत का प्लास्टर गिरने से चार-पांच लोग घायल हो गए।गनीमत रही की बड़ा हादसा टल गया। पोस्ट ऑफिस जर्जर हालत में बड़ी दुर्घटनाओं को न्यौता देता दिखाई दे रहा है। मसूदा पोस्टमास्टर चन्द सिंह ने बताया कि रोजमर्रा की तरह पोस्ट ऑफिस में लेनदेन का कार्य चल रहा था कि अचानक ऑफिस में छत का प्लास्टर भरभरा कर गिर गया, जिसमें चार पांच लोग घायल हो गए। सभी का मसूदा चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार कराया गया। गनीमत रही कि सभी को गम्भीर चोटें नहीं आई। पोस्टमास्टरचन्द सिंह ने घटना के बारेमें उच्च अधिकारियों को अवगत कराया है।

शराबी ट्रक चालक ने जमकर उत्पात मचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। गंगापुर चौराहे पर एक शराबी ट्रक चालक ने जमकर उत्पात मचाया। साइकिल सवार को टक्कर मारने के बाद भाग निकला ट्रक चित्तौड़ मार्ग पर ब्लूब्रिज के पास भीलवाड़ा के स्वागत द्वार होर्डिग्स से जा टकराया। अजमेर की ओर से आए ट्रक ने गंगापुर तिराहे के पास एक साइकिल सवार को टक्कर मारी और जब यहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने ट्रक को रुकवाकर उसमें कांस्टेबल को बैठकर यातायात चौकी पर भेजा तो पुलिस कर्मियों ने चालक लोकेश और कैलाश को चौकी पर बैठा लिया, लेकिन उनका तीसरा साथी ट्रक लेकर भाग निकला और चित्तौड़ रोड स्थित ब्लूब्रिज के पास यूआईटी होर्डिंग्स भीलवाड़ा के स्वागत द्वार से जा टकराया, जिससे होर्डिंग और पाइप ट्रक पर आ गिरे।

ट्रेलर चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की पुर थाना पुलिस ने जिंदल शॉ लि. कंपनी की पार्किंग में खड़े ट्रेलर चोरी का 48 घंटे में ही खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर ट्रेलर बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि पुर थाना क्षेत्र स्थित जिंदल शॉ लि. कंपनी की पार्किंग में बोरड़ा बावरियान (शाहपुरा) निवासी भैरूलाल पुत्र मिश्री लाल जाट ने बताया कि गत चार साल से वह ट्रक ड्राइवरी का काम करता है और तीन माह से बालाजी कार्गो मूवर्स बालापुरा, भीलवाड़ा की गाड़ी ट्रेलर को चला रहा है, जिसको 26 जुलाई को लेकर वह जिंदल कंपनी भीलवाड़ा में आया था। वहां गाड़ी लोड करने में समय लगने के कारण गाड़ी को जिंदल की पार्किंग में खड़ी कर लॉक करके घर चला गया और 28 जुलाई को वापिस आया तो गाड़ी नहीं मिली।

इस संबंध में एक रिपोर्ट पुर थाने में दी। इस पर पुलिस ने मामले की पड़ताल आधुनिक तरीके से करते हुए दूणी टोंक से ट्रोला बरामद किया। इस मामले में पुलिस ने चोरी के आरोपी कुरडा का झोंपड़ा देवखेड़ा थाना दूणी निवासी रामस्वरूप पिता सोजीराम तथा रोहित पिता मोहनलाल मीणा को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी पुष्पा कांसौटिया, कांस्टेबल अनिरूद्ध, सुरक्षा कुमार व विनोद ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

जर्जर पुराने बालिका विद्यालय भवन व हवेलियों से हादसे की आशंका

पावटा, (निसं)। कस्बे पावटा स्थित गणेश मंदिर के पास मार्ग पर वर्षों पूर्व निर्मित बालिका विद्यालय का पुराना भवन व हवेलियां जर्जर हो चुकी है। स्थानीय प्रशासन की अनदेखी से कभी भी हादसे का कारण बन सकती है। बालिका विद्यालय का पुराने जर्जर भवन के दोनों तरफ आम रास्ता होने से राहगीरों का आवागमन लगा रहता है। जर्जर भवन से कई बार छज्जा-मलबा गिरा, लेकिन गनीमत रही कि आज तक कोई राहगीर चोटिल नहीं हुआ। ग्रामीणों द्वारा भवन के जर्जर हिस्से को गिराने को लेकर कई बार स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश है।

क्षेत्र में कई हवेलियां ऐसी हैं जिन्हें देखकर ही डर लगता है। ऐसा भी नहीं है कि इन हवेलियों में कोई रहता है बल्कि ये हवेलियां सूनी पड़ी है, लेकिन ये हवेलियां इतनी जर्जर हो चुकी है कि इन्हें देखकर डर लगने लगता है। जर्जर हवेलियों का सर्वे तक नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र में एक दर्जन के आसपास जर्जर हवेलियां है जो कभी भी गिर सकती है। बारिश के कारण इनके गिरने की आशंका रहती है। जर्जर हवेलियां कभी भी धराशायी हो सकती है जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता है। यहां कई नन्हें मुन्ने बालक सुबह शाम खेलते रहते हैं वहीं राहगीर भी रोजाना गुजरते हैं। जहां भी जर्जर हवेलियां हैं, वहां रहने वाले लोग हमेशा सहमे व डरे रहते हैं। जर्जर हवेलियों के पास रहने वाले लोगों ने बताया हवेलियों में कोई नहीं रहता है, जिसके कारण इनकी सार-संभाल नहीं की जाती है।

पावटा में पुराना विद्यालय भवन जर्जर अवस्था में पहुंचा।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का 69वां स्थापना दिवस मनाया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के 69वें स्थापना दिवस का आयोजन शुक्रवार को समारोहपूर्वक किया गया। बोर्ड परिसर में प्रशासक शक्ति सिंह राठौड़ एवं सचिव कैलाश चंद्र शर्मा की उपस्थिति में मां सरस्वती की प्रतिमा का पूजन किया गया। इसके पश्चात अधिकारियों ने बोर्ड परिसर एवं बोर्ड की नवीन भूमि पर पौधारोपण कर हरित वातावरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम में बोर्ड प्रशासक राठौड़ ने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा एक अगस्त 1957 को माध्यमिक शिक्षा अधिनियम 1957 के अंतर्गत बोर्ड की स्थापना की गई थी। प्रारंभ में बोर्ड कार्यालय जयपुर के गांधी नगर स्थित कालाजी की बिल्डिंग में खोला गया था। जी.सी. चटर्जी पहले अध्यक्ष तथा आर के अग्रवाल पहले सचिव नियुक्त हुए थे। वर्ष 1958 में बोर्ड द्वारा प्रथम बार हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं का आयोजन किया गया।

उन्होंने कहा कि वर्ष 1961 से लेकर 1972 तक बोर्ड कार्यालय अजमेर स्थित बम्बेवाली कोठी और नजरबाग भवनों में संचालित हुआ। तत्पश्चात तत्कालीन अध्यक्ष के एल बोर्दिया के प्रयासों से 1973 में वर्तमान जयपुर रोड स्थित बहुमंजिला भवन में बोर्ड कार्यालय को स्थानांतरित किया गया। प्रारंभिक वर्षों में परीक्षार्थियों की संख्या लगभग 29 हजार थी तथा 250 विद्यालय बोर्ड से संबद्ध थे। उन्होंने कहा कि बोर्ड ने समय के साथ अपने स्वरूप और कार्यप्रणाली में अनेक परिवर्तन किए हैं। वर्ष 1962 में इंटरमीडिएट परीक्षा समाप्त की गई और 1964 से संस्कृत की प्रवेशिका और उपाध्याय परीक्षाओं का आयोजन प्रारंभ हुआ। इसके साथ ही 1965 से दसवीं कक्षा की परीक्षा को स्कूल स्तर से हटाकर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा के रूप में आयोजित किया जाने लगा। 1968 में पत्राचार पाठ्यक्रम की भी शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 1997 में बोर्ड में लगभग 800 से 850 कर्मचारी कार्यरत थे, जबकि उस समय परीक्षार्थियों की संख्या लगभग 6 लाख 98 हजार थी। वर्तमान में बोर्ड में 272 कर्मचारी कार्यरत हैं और वर्ष 2025 में लगभग 20 लाख विद्यार्थी बोर्ड परीक्षाओं में सम्मिलित हुए हैं। बोर्ड प्रशासक राठौड़ ने कार्मिकों से चर्चा करते हुए भविष्य में आंतरिक व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास किए जाने को कहा।

बोर्ड सचिव कैलाशचन्द्र शर्मा ने कहा कि बोर्ड की भूमिका केवल परीक्षा आयोजन तक सीमित नहीं रही है। पूर्व में पाठ्यपुस्तकों का प्रकाशन एवं ओपन बोर्ड के संचालन का कार्य भी बोर्ड द्वारा किया जाता था। ये वर्तमान में राजस्थान पाठ्यपुस्तक मंडल और राजस्थान स्टेट ओपन बोर्ड को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि 69 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में बोर्ड ने शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा दी है और आने वाले वर्षों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण समर्पण के साथ करता रहेगा।

सहायक निदेशक सुशीला गोकलानी, सहायक निदेशक अजय बंसल, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के महामंत्री कुंदन सिंह, उम्मेद गहलोत, पीयूष पारीक, योगेश शर्मा, सहायक अभियंता आदित्य शर्मा, शिखा शर्मा आदि ने पौधरोपण किया। सभी ने मिलकर बोर्ड की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को स्मरण किया। इस अवसर पर विशेषाधिकारी नीतू यादव, वित्तीय सलाहकार रश्मि बिस्सा, मुख्य परीक्षा नियंत्रक राजेश निर्वाण, निदेशक प्रशासन राजेंद्र पारीक, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, बोर्ड कर्मचारी यूनियन अध्यक्ष मोहनसिंह रावत, महामंत्री करण सिंह यादव सहित समस्त बोर्ड स्टाफ की उपस्थिति रही।

- बोर्ड की उपलब्धियों, विकास यात्रा और भविष्य के लक्ष्यों का स्मरण हुआ

बोर्ड अधिकारियों व कर्मचारियों ने बोर्ड परिसर एवं बोर्ड की नवीन भूमि पर पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

जवाई बांध 40.40 फीट पर पहुंचा

पाली, (निसं)। पाली जिले में अब तक 70 प्रतिशत बारिश हो चुकी है, जिससे जिले के 14 बांध ओवरफ्लो चल रहे हैं। पाली की लाइफ लाइन पश्चिम राजस्थान के सबसे बड़ा बांध जवाई बांध में एक साल का पानी आ चुका है, शुक्रवार सुबह तक 40.40 फीट गेज पहुंच गया था। जवाई बांध सिरोही जिले के शिवगंज के साथ पाली जिले के नौ शहर सुमेरपुर, देसूरी, रानी, जैतारण, मारवाड़, जंक्शन, रायपुर, रोहट, सोजत, एवं बाली समेत 985 गांव को पेयजल उपलब्ध करवाता है। कुछ जालोर जिले के गांवों में भी इसकी पेयजल सप्लाई होती है। इसका गेज 61.25 है। उसके साथ पाली जिले के देसूरी, सीरीयारी राजपुरा ,बोमादड़ा पिकअप, बनियावास, हेमावास, सिंदरू, सादड़ी बांध, सरदार समंद, ओवरफ्लो चल रहे हैं। फिलहाल मानसून धीमा पड़ गया है। मौसम विभाग के अनुसार अभी बारिश और बाकी है।

आसाराम की सुनवाई टली

जोधपुर, (कासं)। गुजरात और राजस्थान में रेप मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे 86 साल के आसाराम बापू की तरफ से सजा स्थगन को लेकर पेश राजस्थान हाईकोर्ट में लंबित याचिका पर एक बार फिर सुनवाई टल गई। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने 30 जुलाई को गुजरात मामले में आसाराम बापू की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई से मना कर दिया।

रूपनगढ़ किले के पास जर्जर पानी की टंकी से हादसे का अंदेशा

रूपनगढ़, (निसं)। ऐतिहासिक रूप से समृद्ध रूपनगढ़ कस्बे में स्थित एक पुरानी पानी की टंकी इन दिनों क्षेत्रवासियों के लिए भारी खतरा बनती जा रही है। रूपनगढ़ किले के पास स्थित यह वर्षों पुरानी पानी की टंकी अब इतनी जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है कि वह कभी भी धराशायी हो सकती है। टंकी पर चढ़ने वाली लोहे की सीढ़ियां जगह-जगह से टूट चुकी हैं और कई स्थानों पर पूरी तरह से लटक गई है। वहीं टंकी की दीवारों में दरारें साफ नजर आने लगी है। लगातार हो रही जंग और मरम्मत के अभाव से टंकी से कभी भी दुर्घटना हो सकती है।

- टंकी पर चढ़ने वाली लोहे की सीढ़ियां जगह-जगह से टूट चुकी हैं और कई स्थानों पर पूरी तरह से लटक गई है

टंकी के चारों ओर घना रिहायशी इलाका है। आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि वे हमेशा डर के साए में जी रहे हैं। बच्चों को बाहर खेलने भेजने से भी डर लगता है। स्थानीय निवासी कई बार प्रशासन को इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह टंकी हमारी आंखों के सामने बनकर खड़ी हुई थी, लेकिन अब यह अपने आखिरी दौर में है। रोज लगता है कि आज नहीं तो कल ये गिर जाएगी। प्रशासन को नींद से जागना चाहिए।

इतने बड़े खतरे के बावजूद संबंधित विभागों की चुप्पी और उदासीनता गंभीर चिंता का विषय है। अगर समय रहते मरम्मत या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई नहीं की गई, तो यह टंकी किसी बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि वे इस टंकी की तत्काल जांच कराएं और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए त्वरित निर्णय लें या तो टंकी को सुरक्षित बनाएं या ध्वस्त करवाकर आमजन की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस पानी की टंकी से जगह जगह से प्लास्टर गिर रहा है वह लोहे के सरिये नजर आ रहे हैं। वहीं काफी समय से इस पानी की टंकी की सफाई भी नहीं हुई है, जिससे पानी भी गन्दा आ रहा है। इसके लिए जलदाय विभाग की घोर लापरवाही सामने आ रही है।

रूपनगढ़ कस्बे में स्थित पुरानी पानी की टंकी जर्जर अवस्था में पहुंची।